

महंगाई की मार : रोजमर्रा के सामानों की बिक्री 68 प्रतिशत घटी

एजेंसी
नई दिल्ली । भारत का एफएमसीजी बाजार इस समय एक बड़े संकट से गुजर रहा है। रोजमर्रा के सामानों की बिक्री में ऐसी सुस्ती आई है जिसने बड़े-बड़े कॉर्पोरेशनों की नींद उड़ा दी है। नीलसन आईस्क्यू की क्यू2 2026 रिपोर्ट के आंकड़े काफी डरावने वाले हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल से जून की तिमाही में एफएमसीजी सेक्टर को तीन बड़े झटके लगे हैं। पहला झटका बढ़ती लागत का है, दूसरा लोगों की आवाजजाली में कमी का है, जबकि तीसरा झटका ग्रामीण इलाकों की घटती आय से जुड़ा है। इन वजहों से बाजार में एक बड़ी मंदी छा गई है। हालात ऐसे हैं कि एफएमसीजी बास्केट के 68 फीसदी कैटेगिरी में बिक्री घट चुकी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दूसरी तिमाही में एफएमसीजी की कुल बिक्री (चौलचूना) में सालाना आधार पर 2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। मूल्य के हिसाब से भी ग्रेथ महज 0.8



फीसदी तक सीमित रह गई। बाजार में कीमतें 2.8 फीसदी बढ़ी हैं। ये आंकड़े साफ बताते हैं कि आम ग्राहक महंगाई के कारण अपनी जरूरत का सामान भी बहुत सोच-समझकर खरीद रहा है। इस पूरी मंदी का सबसे बुरा असर ग्रामीण भारत पर पड़ा है। गांवों में एफएमसीजी की बिक्री में 5 फीसदी की बढ़ी गिरावट आई है। वहीं शहरों में बिक्री लगभग स्थिर (0.1 फीसदी) रही है। जून महीने में थोक महंगाई दर 9.9 फीसदी पहुंच गई, जबकि खुदरा

महंगाई 4.4 फीसदी रही। इसके साथ ही कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जाने से माल दुकानों से लेकर फैक्ट्रिंग तक का खर्च बढ़ गया है। गांवों में इस मंदी की असली वजह खेती-किसानों से जुड़ी है। जून में बारिश 40 फीसदी कम हुई। इससे फसलों की बुवाई में देरी हुई। इसके अलावा ग्रामीण बेरोजगारी 5.1 फीसदी तक पहुंच गई। श्रम बल भागीदारी दर में भी 0.6 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इसका सीधा असर लोगों की जेब पर पड़ा है।

भाजपा सांसद, राष्ट्रीय मंत्री, यूपी के सह प्रभारी डॉ प्रदीप वर्मा का इंटरव्यू पेज 8 पर देखें..

संक्षिप्त खबरें

अमन साव एनकाउंटर केस मामले की सुनवाई 27 को

रांची । एनकाउंटर में मारे गए गैंगस्टर अमन साव के मामले में कोर्ट के स्वतन्त्र-संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई।मामले में राज्य सरकार की इस केस से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के कुछ जजमेंट को कोर्ट में दाखिल किया गया। जिसपर कोर्ट में हस्तक्षेपकर्ता (अमन की मां) के अधिवक्ता हेमंत सिकरवार को इन जजमेंट का अध्ययन और वकीलफेशन करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने मामले के लिए सुनवाई 27 अक्टूबर निर्धारित की।पूर्व की सुनवाई में सख्तार ने सोलबंद रूप से सीआइडी की केस डायरी कोर्ट को सौंपी थी।

चुनाव आयोग 4 महीने में टीएमसी का विवाद सुलझाए : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिह्न को लेकर विवाद जारी है। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों तृणमूल गुटों को चुनाव आयोग के सामने कार्रवाई में पक्ष रखने की प्रक्रिया पूरी करने के लिए चार हफ्ते का समय दिया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई पूरी होने के बाद चुनाव आयोग को भी 4 महीने के भीतर इस मुद्दे पर फैसला करने के लिए कहा है।

रोहन उत्पीड़न मामले में बृजभूषण सिंह और तोमर को नोटिस जारी

नई दिल्ली । दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को यौन उत्पीड़न के मामले में भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को नोटिस जारी किया। इस मामले में बृजभूषण को बरी किए जाने के फैसले को महिला पहलवानों ने चुनौती दी है। राऊज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज दिग्विजय सिंह ने सोमवार को चार महिला पहलवानों की याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान सेशन कोर्ट ने बृजभूषण के साथ डब्ल्यूएफआई के पूर्व सचिव विनोद तोमर को भी नोटिस भेजा।

रांची में 9 अक्टूबर को भारत-वेस्टइंडीज टी-20 मैच को लेकर प्रशासन अलर्ट, बिना टिकट दर्शकों पर रहेगी नजर

संवाददाता
रांची । जेएससीए अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, धुर्वा में 9 अक्टूबर को होने वाले भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच को लेकर रांची जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।मैच में बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमियों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सुस्था, विधि-व्यवस्था, यातायात और भीड़ नियंत्रण को लेकर विशेष तैयारी की जा रही है।जिला

समाहरणालय में जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजुनाथ भजनजी को सोमवार की सुबह बाइक लूट की कोशिश का विरोध करना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। दुमका-हंसडीहा मुख्य मार्ग पर लकड़्यांड़ के समीप हरदिया नदी के पास बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने एक व्यक्ति को रोककर बाइक छीनने का प्रयास किया। विरोध करने पर बदमाशों ने गोली चला दी। गोली व्यक्ति के बाएं पैर में लगी। घटना के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। घायल की पहचान लकड़्यांड़ गांव निवासी शिवलाल हांसदा(55) के रूप में हुई है। बताया गया कि सोमवार सुबह करीब पांच बजे शिवलाल हांसदा बाइक से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार दो

दर्शकों को एंट्री शुरू होने से पहले स्टेडियम के आसपास बिना टिकट दर्शकों के जमावड़े पर नजर रखी जाएगी।दर्शकों को निर्धारित गेट से कतारबद्ध तरीके से प्रवेश दिया जाएगा। सुरक्षा जांच के बाद ही स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति होगी। प्रशासन ने क्रिकेट प्रेमियों से अपील की है कि वे समय से पहले स्टेडियम पहुंचें, निर्धारित कतार में लगे और किसी भी प्रतिबंधित वस्तु को अपने साथ न लाएं।मैच के दौरान रांची में

बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए यातायात व्यवस्था को लेकर भी विशेष तैयारी की जा रही है। संबंधित अधिकारियों को व्यापक ट्रेफिक प्लान तैयार करने और प्रभावी भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।प्रशासन ने शहरवासियों और क्रिकेट प्रेमियों से यातायात नियमों का पालन करने और केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों का इस्तेमाल करने की अपील की है।

एसआईआर पर घमासान : ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर कांग्रेस का देशभर में प्रदर्शन

आगरा में सीईसी के घर पर कालिख पोती, राजस्थान में पुलिस में चलाई वाटर कैनन

●भोपाल में बैरिकेडिंग पर भिड़े कार्यकर्ता, वाटर कैनन चला पुलिस ने नेताओं को हिरासत में लिया

एजेंसी
नई दिल्ली/भोपाल/रायपुर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर इन दिनों देश की सियासत गरमाई हुई है। एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सरकार और चुनाव आयोग पर हमलावर है। कांग्रेस ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर देशभर में चोतरफा दबाव बनाने की तैयारी में है। इसके लिए पार्टी ने पूरी रणनीति तैयार कर ली है। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, गुजरात, दिल्ली,

केरल समेत देशभर में सोमवार को कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि वोट चोरों को जेल भेजा जाए और बेल्टेड पेपर से आगामी चुनाव कराए जाएं। मध्य प्रदेश में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में कार्यकर्ता मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय का घेराव करने निकले। पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। कुछ कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर भी चढ़ गए। कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन से पानी की बोछार की। पूर्व केंद्रीय मंत्री कालिलाल भूरिया ने ज्ञानेश कुमार को लेकर



ईवीएम से चुनाव हुए तो वे चुनाव का बहिष्कार करेंगे। इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का मुखौटा पहने और जंजीरों में जकड़े एक कार्यकर्ता को जीतू पटवारी और उमांग सिंघार जंजीरों से फकड़े नजर आए। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 'वोट चोरों' के मुद्दे को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ विशेष-प्रदर्शन किया। पहले शहीद स्मारक पर सभा हुई। फांसी देने की बात कही। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता, वाटर कैनन चला पुलिस ने नेताओं को हिरासत में लिया

दुमका डीसी ने 100 प्राचार्यों का वेतन रोका

मिड-डे मील की जांच के लिए बच्चों संग भोजन करेंगे अधिकारी

संवाददाता
दुमका। जिले की शिक्षा व्यवस्था को पटरी पर लाने और विद्यालयों में आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। समाहरणालय सभागार में सोमवार को उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित शिक्षा विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों और अधिकारियों पर गाज गिरी है। उपायुक्त ने विद्यालयों की उपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए उन 100 विद्यालयों के प्राचार्यों का वेतन तत्काल प्रभाव से रोकने का निर्देश दिया है, जहां छात्रों की उपस्थिति 25 प्रतिशत से भी कम पाई गई है। इसके साथ ही, बुनियादी दक्षताओं को परखने वाली एफएलएन चैंपियनशिप में एक भी छात्र का पंजीकरण नहीं कराने वाले 374 विद्यालयों के प्राचार्यों से भी कड़ा स्पटीकरण मांगा गया है। विद्यालयों में मिलने वाले मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त ने एक जमीनी पहल

दुमका के 44 शिक्षकों को हाईकोर्ट से राहत

रांची । झारखंड हाईकोर्ट ने मैट्रिक/इंटर प्रशिक्षित दुमका के विभिन्न सरकारी स्कूलों के प्राथमिक शिक्षकों से जुड़ी वेतन विर्सगीत के मामले में आदेश दिया है।हाइकोर्ट के जस्टिस दीपक रेशन की अदालत ने दुमका जिले के 44 शिक्षकों की याचिका को निष्पादित कर दिया। कोर्ट ने राज्य सरकार को पूर्व में दिए गए फैसले के अनुरूप उन्हें लाभ देने का निर्देश दिया है।प्राथियों की ओर से अधिवक्ता अभिजीत कुमार सिंह ने पक्ष रखा।याचिकाकर्ताओं ने छठे वेतन पुनरीक्षण के तहत एक जनवरी 2006 से 16,290 रुपये का न्यूनतम एंटी पे निर्धारित करने और उसके आधार पर वेतन पुर्ननिर्धारण और बकाया वेतन समेत अन्य परिणामी लाभ देने की मांग की थी। उनका कहना था कि वे वर्ष 2006 से पहले मैट्रिक/इंटर प्रशिक्षित प्राथमिक शिक्षक के रूप में सेवा में नियुक्त हुए थे।याचिकाकर्ताओं की ओर से अदालत को बताया गया कि इस मुद्दे पर हाईकोर्ट पहले ही एक मामले (डब्ल्यूपीएस संख्या 5897/2014) और संबद्ध मामलों में 27 नवंबर 2025 को फैसला सुना चुका है। राज्य सरकार की ओर से भी इस बात को स्वीकार किया गया कि वर्तमान मामले का मुद्दा उसी फैसले के समान है।इसके बाद अदालत ने कहा कि वर्तमान मामला पूर्व के फैसले से पूरी तरह आच्छादित है।

की है। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों, बीईओ और बीपीओ को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे पीएम श्री सहित अन्य विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान बच्चों के साथ पंक्ति में बैठकर मिड-डे मील ग्रहण करें, ताकि भोजन की असल गुणवत्ता और व्यवस्था की हकीकत सामने आ सके। निरीक्षण में कोताही बरतने के आरोप में शिकारीबाड़ा के बीईओ से जवाब तलब किया गया है, वहीं रेल प्रोजेक्ट में खराब प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों को भी चिन्हित कर कार्रवाई के दायरे में लाया गया है। प्राथमिक स्तर पर नौनवहलों को उनकी ही भाषा में शिक्षा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने तकनीकी नवाचार का सहारा लिया है।

पश्चिमी सिंहभूम में सबसे अधिक और पाकुड़ में सबसे कम बारिश

संवाददाता
रांची । झारखंड में इस मानसून सीजन में 1 जून से 28 सितंबर तक 1001.1 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है। यह सामान्य बारिश से करीब एक प्रतिशत कम है। राज्य में पश्चिमी सिंहभूम में सबसे अधिक और पाकुड़ में सबसे कम बारिश दर्ज की गई है। पश्चिमी सिंहभूम में सामान्य 993.3 मिलीमीटर के मुकाबले 1476 मिलीमीटर बारिश हुई है। वहीं पाकुड़ में सामान्य 1202.3 मिलीमीटर के मुकाबले महज 584.6 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा धनबाद में 1105.7, दुमका में 1005.7, पूर्वी सिंहभूम में 1233, जामताड़ा में 1101, खूंटी में 1139.6, लातेहार में 1155.5, लोहरदगा में 1055.7, रामगढ़ में 1040.4, रांची में 1211.6, सरायकेला में 1220.3 और सिमडेगा में 1308.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। राज्य के कई जिलों में बारिश सामान्य से काफी कम रही। देवघर में 709 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य से 28 प्रतिशत कम है। चतरा में 606.7 मिलीमीटर (35 प्रतिशत कम), गढ़वा में 693.8 मिलीमीटर (23 प्रतिशत कम), गुमला में 780.3 मिलीमीटर (26 प्रतिशत कम), कोडरमा में 695.5 मिलीमीटर (21 प्रतिशत कम), पलामू में 678.4 मिलीमीटर (20 प्रतिशत कम) और साहिबगंज में 758.4 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य से 36 प्रतिशत कम है।

रेप की घटनाओं पर प्रशासन और पुलिस की जवाबदेही तय करना बहुत जरूरी : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी
नई दिल्ली । दिल्ली और एनसीआर में महिलाओं के खिलाफ लगातार बढ़ रहे यौन अपराधों पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। पार्क में हुए गैंगरेप और चलती स्लीपर बस में नाबालिंग वच्ची से दरिंदगी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को स्वतः संज्ञान लिया। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद



चंद्रन की पीठ ने दिल्ली-एनसीआर में बार-बार सामने आ रही ऐसी

घटनाओं पर गहरी चिंता और पीड़ा जताई। कोर्ट ने साफ कहा कि दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा से खिलवाड़ अब बर्दाश्त से बाहर है और इस पर लागू लागाने के लिए प्रशासन और पुलिस की जवाबदेही तय करना बहुत जरूरी हो गया है। अपने आदेश में बेंच ने दिल्ली के स्वरूप नगर में एक नाबालिंग लड़की के गैंगरेप और हत्या का जिक्र किया,

जहां पुलिस को एक खेत में पीड़िता की सड़ी-गली बॉडी मिली थी। ग्रेटर नोएडा से दिल्ली तक 47 किलोमीटर के सफर में चलती हुई स्लीपर बस में एक नाबालिंग के साथ हुए सेक्सअल असाॅल्ट का उल्लेख करते हुए, जिसे पुलिस रोक नहीं पाई थी, कोर्ट ने कहा कि 'कोई भी 2012 के निर्भया कांड से इसकी दर्दनाक तुलना किए बिना नहीं रह सकता।

राजनीति पार्ट टाइम जॉब नहीं है : डॉ प्रदीप वर्मा

भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ,सांसद व यूपी के सह प्रभारी डॉ प्रदीप वर्मा से संताल एक्सप्रेस के प्रधान संपादक अशोक कुमार की खास व लंबी बातचीत

►राजनीति कोई पार्ट टाइम जॉब नहीं है।

►संघ के पदाधिकारियों को आप तभी प्रभावित कर पायेंगे जब आप संघ की दैनिक शाखाओं में जाएंगे।

►भले आप मंत्री, विधायक व सांसद बन जाएं लेकिन यदि आपके गृह राज्य में आपकी सरकार नहीं है तो आपकी कोई पूछ नहीं है।

►हमारा लक्ष्य और प्राथमिकता झारखंड में संगठन को मजबूत कर यहां भाजपा की सरकार बनानी है।

►भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली रघुवर दास की सरकार में अरविंद मिल और ओरिएंट क्राफ्ट जैसे उद्योग रांची में लगे ,वे हेमंत सरकार के सात वर्षों की सरकार में बंदी के कगार पर हैं।

►सीएनटी और एसपीटी एक्ट होते हुए भी झारखंड में आदिवासियों की जमीन सुरक्षित नहीं रह सकी।

►रघुवर सरकार की बनाई नीतियों के कारण ही आज झारखंड में 15 निजी विवि खुले हैं जिसमें यहां के हजारों लोगों को रोजगार मिला है।



प्रश्न: आप संघ के कार्यकर्ता थे।आपकी परिवारिक पृष्ठभूमि राजनीति की नहीं थी। फिर भी आपका भाजपा की राजनीति में कब और कैसे आना हुआ।

उत्तर : उन दिनों में सामाजिक कार्यों में लगा था। सरला बिरला के इस कैम्पस में पहले महादेवी वर्मा टीबी सेनेटोरियम चलता था। मैं उसका संचालक था। उस समय झारखंड अलग राज्य का आंदोलन तेजी से चल रहा था। हमलोग भी अलग राज्य के लिए आंदोलन चला रहे थे। उस समय धर्मांतरण एक बड़ा मुद्दा था। सैकड़ों घरों में धर्मवापसी का काम मैंने कराया। यह सच है कि हमारी परिवारिक पृष्ठभूमि राजनीति की नहीं थी लेकिन कोलकाता में मेरे पिताजी एक फैक्टरी में काम करते थे और बीएमएस के सक्रिय नेता थे। घर में नेताओं का आनाजाना होता रहता था। इससे मुझे भी प्रेरणा मिली। 2009 में मुझे भाजपा में शामिल होकर काम करने का मौका मिला। भाजपा के कार्यक्रमों व बड़े नेताओं की रैलियों में भोजन का काम मेरे जिम्मा होता था। 2015 पार्टी में डिजिटल सदस्यता शुरू हुई तो मुझे झारखंड का सदस्यता प्रभारी बनाया गया।42लाख सदस्य बने। इस तरह भाजपा में मैं सक्रिय होता चला गया। जो भी जिम्मेवारी मुझे मिली उसका निष्ठा से पूरा किया। मेरा मानना है कि राजनीति कोई पार्ट टाइम जॉब नहीं है। इसमें दिन रात काम करना होता है तभी आपकी पहचान बनती है।

प्रश्न: भाजपा में कई पुराने एवं समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्हें इतनी जल्दी सफलता नहीं मिलती है जितनी जल्दी आपको मिली। आप सीधे प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य पार्टी पदाधिकारी बनकर राज्यसभा तक पहुंच गए जब कि आपसे सीनियर कई नेता अभी लाइन में लगे हैं। इस बात की चर्चा तेज है कि भाजपा में गणेश परिक्रमा करनेवाले को सफलता जल्द मिल जाती है। इसमें कितनी सच्चाई है?

उत्तर : मैं आपके इस सवाल से सहमत नहीं हूँ कि पार्टी में गणेश परिक्रमा करनेवाले नेता को सफलता मिलती है। हमारी पार्टी में समर्पित भाव से काम करनेवाले को सभी क्षमता के अनुसार पद और दायित्व दिया जाता है। पार्टी से हजारों और लाखों कार्यकर्ता जुड़े हैं। यह विद्य की सबसे अधिक कार्यकर्ताओं वाली पार्टी है। मैंने कभी किसी नेता की गणेश परिक्रमा नहीं की। दिल्ली पार्टी मुख्यालय भी मैं कभी कभार ही जाता रहा हूँ।

प्रश्न: आरोप है कि आप संघ के

पदाधिकारियों को येन केन प्रकारेण प्रभावित कर पार्टी में आगे बढ़ते चले गए और आज इस मुकाम तक पहुंचने में सफल रहे हैं?

उत्तर : यह आरोप गलत है। आप संघ के पदाधिकारियों को तभी प्रभावित कर सकते हैं जब आप संघ की शाखाओं में नियमित रूप से जा रहे हों। संघ के पदाधिकारियों को प्रभावित करने का और दूसरा कोई उपाय नहीं है।

प्रश्न: आप लंबे समय तक प्रदेश भाजपा में संगठन में पदाधिकारी रहे हैं। इसकी क्या वजह रही कि पार्टी 2019 और 2024 में विधानसभा चुनाव में सीटें हारती चली गयी खासकर आदिवासी सीटें?

उत्तर : चुनाव की जीत हार के कई कारण होते हैं। चुनाव में जीत हार से आप किसी पार्टी के कमजोर व मजबूत होने का आकलन नहीं कर सकते हैं। झामुमो का खासकर संताल परगना में वैसा संगठनात्मक ढांचा नहीं है जैसा की भाजपा का है फिर भी वे चुनाव जीतते हैं। इसका कारण यह है कि चुनाव के ठीक पहले वे अफवाह फैलाकर ग्रामीण मतदाताओं को खासकर आदिवासियों को प्रभावित करने में सफल हो जाते हैं उदाहरण के तौर पर जब हमारी रघुवर दास की बहुमत की सरकार ने स्थानी नीति बनायी तो झामुमो ने यह अफवाह फैलायी कि जब राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी तो आदिवासियों की जमीन छीन ली जाएगी। इससे आदिवासी उनके झांसे में आ गए और भाजपा को नुकसान हुआ।

प्रश्न: क्या कारण है कि झारखंड में आदिवासी भाजपा से दूर हो गए हैं जिसके कारण विगत दोनों चुनाव में भाजपा की आदिवासी सीटें घटती चली गयी है। इसके लिए नेतृत्व जिम्मेवार है या और कोई कारण है?

उत्तर : आपका यह सवाल सही नहीं है कि झारखंड में भाजपा से आदिवासी दूर हो गए हैं। मैं फिर यही कहूंगा कि चुनाव की जीत हार से किसी पार्टी की संगठनात्मक क्षमता का आकलन नहीं किया जा सकता है। सीटें घटने के लिए नेतृत्व को भी जिम्मेवार नहीं ठहराया जा सकता है। आदिवासी समाज के पढ़े लिखे लोग आज भी भाजपा की रघुवर सरकार द्वारा आदिवासियों के लिए किए गए कार्यों को याद करते हैं। चुनाव के समय झामुमो के एजेंट किस तरह गांवों में जाकर मतदाताओं को नोटों की थैली व प्रलोभन देकर प्रभावित करते हैं यह किसी से छिपी हुई बात नहीं है।

भाजपा ऐसा नहीं करती है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शायद ही कभी अपने क्षेत्र में जाते हैं। क्या आपने कभी देखा है हेमंत सोरेन को अपने क्षेत्र में जाते हुए?

प्रश्न : हमने हेमंत सोरेन को कई बार अपने क्षेत्र में जाते हुए और आम लोगों की समस्याएं सुनते हुए मैंने देखा है।

उत्तर: कभी कभार ही ऐसा होता होगा। हेमंत सोरेन के प्रतिनिधि पंकज मिश्रा पूरे संताल परगना में एक गिरोह चलाते हैं। साहिबगंज और पाकुड़ का अच्छी क्रांति का पत्थर , बालू और कोयला की अवैध तस्करी हो रही है।

प्रश्न : संताल परगना में विधानसभा की 18 और लोकसभा की तीन सीटें हैं। पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनाव में आपकी पार्टी ने मात्र एक एक सीट ही जीत पायी। जबकि उसके पूर्व हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने दो सीटें और विधानसभा में आठ सीटें जीती थी। उन दिनों आप संताल परगना के प्रभारी हुआ करते थे। आपके प्रभारी से हटते ही वहां सीटें कैसे घट गयीं?

उत्तर : इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि पहले कांग्रेस, जेएमएम और राजद अलग अलग चुनाव लड़ती थी लेकिन पिछले चुनाव में इन दलों ने गठबंधन कर चुनाव लड़ा जिसका फायदा उसे हुआ। हमारी पार्टी में इस तरह का मजबूत गठबंधन नहीं बन सका।

प्रश्न : आपकी पार्टी ने भी एनडीए गठबंधन के तहत चुनाव लड़ा था। जेद्यू और आजमू आपके साथ थे।

उत्तर : संताल परगना में हमारा गठबंधन मजबूत साबित नहीं हो सका।

प्रश्न : रांची के सीटिंग कैंडिडेट संजय सेठ का आप टिकट कटवा कर स्वयं टिकट लेना चाह रहे थे लेकिन संजय सेठ ने पुनः टिकट पाकर आपको पटकनी दे डाली।

उत्तर : राजनीति में सक्रिय हर व्यक्ति की चुनाव लड़ने की इच्छा होती है। मैं इसका अपवाद नहीं हूँ। पार्टी की मर्यादा में रहकर मैं टिकट चाह रहा था। मैंने पार्टी की मर्यादा का उल्लंघन नहीं किया।

प्रश्न : पार्टी सूत्रों का कहना है कि अगले मंत्रिमंडल विस्तार में आपको केंद्र में मंत्री बनाया जा सकता है।

उत्तर : मंत्री बनने की मेरी कोई इच्छा नहीं है। मैंने केन्द्रीय नेतृत्व को अपनी इच्छा से अवगत करा दिया है। मैं शुरू से संगठन का आदमी रहा हूँ। संगठन के कामों में मेरी रुचि है। ओगे भी मैं संगठन में ही रहना चाहता हूँ।

प्रश्न : भाजपा की पूर्ण बहुमत की रघुवर दास की सरकार पांच

साल रही लेकिन राज्य का औद्योगिक विकास नहीं हो सका।

उत्तर : उनकी सरकार के प्रयास से यहां अरविंद मिल और ओरिएंट क्राफ्ट जैसे उद्योग रांची में लगे। हजारों लोगों को रोजगार मिला। पहले तीन निजी विश्वविद्यालय थे आज रघुवर सरकार द्वारा बनायी गयी नीतियों के कारण 15 निजी

विवि खोले गए और हजारों लोगों को रोजगार मिला लेकिन हेमंत सरकार के सात साल के शासन में दोनों उद्योग लगभग बंद हो चुके हैं।

प्रश्न : भाजपा में केन्द्रीय दायित्व मिलने के बाद क्या आप झारखंड में संगठन की बेहतरी के लिए काम करते रहेंगे या फिर पूरा देश आपका कर्म

क्षेत्र रहेगा?

उत्तर : मैं अपने गृह राज्य झारखंड में काम करना चाहूंगा ताकि यहां अगले चुनाव में भाजपा की सरकार बन सके।

प्रश्न : झारखंड में कुर्मी जाति के वोट अधिक भाजपा के समर्थक माने जाते हैं लेकिन भाजपा में एक भी ऐसा कुर्मी

चेहरा नहीं है जो भाजपा को पूरे प्रदेश में नेतृत्व दे सके?

उत्तर : देखिए, मैं शुरू से जातिवाद की राजनीति का विरोधी रहा हूँ। मेरा ऐसा मानना है कि जाति व वर्ग विशेष के बल पर कोई भी राजनीतिक दल अपना व्यापक जनाधार नहीं बना सकती है। भाजपा जातिवाद की राजनीति में विश्वास नहीं करती है।

(पूरा इंटरव्यू यूट्यूब चैनल पर देखें)